New Year's Issue
2019

Living the LOTUS
Buddhism in Everyday Life

New Year's Message

हम स्वयं को विकसित करें

निचिको निवानो
प्रेसिडेंट, रिश्शो कोसेइ काइ

'मानव जाति को ऊपर उठाना' दूरदर्शी समाज की रचना और राष्ट्र निर्माण की विकट समस्या है

आप सभी को मेरी तरफ से नव वर्ष की शुभकामनाएँ !

गत वर्ष हमारे संगठन के लिए प्रमुख मील का पत्थर था, क्योंकि हमने इसकी स्थापना का अस्सीवाँ वर्षगाँठ मनाया था। इस वर्ष से, मैं आप सभी के साथ जुड़कर शतवार्षिकी को ध्यान में रखकर कर्मठता के साथ प्रयास करना चाहूँगा।

इसे ध्यान में रखकर, मेरा "2019 में सदस्यों के श्रद्धाविश्वास के अभ्यास के लिए दिशानिर्देश" इस प्रकार हैं :

विश्व और प्रकृति दोनों लगातार बिना किसी ठहराव के निर्माण और परिवर्तन से गुजर रहे हैं। विश्व की सत्यता की तरह, हमें भी दृढ़ रहना चाहिए, और हमें अपने आप को हमेशा उन चीजों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो नए रूप में हमारे सामने आते हैं।

इस वर्ष, हमारे संगठन ने अपनी स्थापना की इक्यासीवीं वर्षगाँठ मनाया है। आज तक के इतिहास की आधारशिला, हमारे संस्थापक और सह-संस्थापक ने अप्रतिम समर्पण के साथ तथा कई नेताओं और सदस्यों के सहयोग से रखी है, जो हमारे पूर्व थे।

रिश्शो कोसेइ काइ की स्थापना की एक सौवीं वर्षगाँठ की ओर देखते हुए, मुझे आशा है कि हममें से प्रत्येक के मन में अपने पूर्ववर्तियों के प्रति कृतज्ञता का ऋण चुकाने के लिए रचनात्मक भाव से अनवरत आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा।

हालाँकि मैंने पिछले वर्ष भी ठीक यही बात कही थी, लेकिन

संगठन के सदस्य के रूप में आपको हमेशा हृदय में उसे सँजोए रखना चाहिए।

इस वर्ष के सदस्यों के श्रद्धाविश्वास के अभ्यास के लिए दिशानिर्देश में "रचनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए" वाक्यांश शामिल है। उसका मतलब यह नहीं है कि "नई चीजें बनाना है।"

बौद्ध धर्म निरपेक्ष मूल्यों को महत्व देता है, सापेक्ष दृष्टि से चीजों को जीत या हार, सफलता या असफलता, नए या पुराने के संदर्भ में देखने के तरीकों पर नियंत्रण रखता है। प्रसन्नता, दयालुता और गर्मजोशी ही है जो अंततः वास्तव में युगों युगों से मानव व्यवहार को सशक्त बनाया है। मेरा मानना है कि "रचनात्मक रूप से आगे बढ़ने" का अर्थ है कि हम जो हैं, उससे एक कदम आगे बढ़कर, हममें से हर एक उदारतापूर्वक अपने घर, स्कूलों, कार्यस्थलों, समुदायों और दुनिया में प्रसन्नता, दयालुता और गर्मजोशी का प्रदर्शन करें।

आइए, इन मूलभूत बातों को बिना भूलाये हुये, अपने व्यक्तिगत गुणों का सर्वोत्तम उपयोग करें और उन्हें अपने सामान्य अभ्यासों के साथ जोड़ दें।

हमारे संगठन की स्थापना की अस्सीवीं वर्षगाँठ के अवसर पर, मैंने आपको कहा था कि, इसके आगामी शताब्दी वर्ष की प्रतीक्षा में, "हमारा महत्वपूर्ण मिशन, प्राथमिक लक्ष्य होगा कि 'मानव संसाधन के विकास और लोगों के उत्थान,' हेतु हम सभी अथक प्रयास करेंगे।"

"मानव को ऊपर उठाना" एक कथन है जो एक प्राचीन चीनी पाठ में पाया जाता है।

मैंने सदस्यों के श्रद्धाविश्वास के अभ्यास के लिए अपने कुछ पूर्व के वार्षिक दिशानिर्देशों में इसका विशेष टिप्पणी के रूप में उल्लेख किया है। "एक वर्ष की योजना के लिए अन्न के बीज बोना उत्तम है; पेड़ लगाना दस वर्ष की योजना के लिए सबसे उत्तम है; और जीवन भर की योजना के लिए, लोगों के जीवन को ऊपर उठाने के प्रयास से उत्तम कुछ नहीं है। इस अंश को "तीन बुआई का प्रचलन" कहा जाता है।

लोगों के जीवन में सुधार लाना आजीवन प्रक्रिया है - यह एक अति-महत्वपूर्ण विषय है। लोगों को चाहिए कि जीवन पर्यन्त एक ऐसे समाज की रचना और राष्ट्र निर्माण में संलग्न रहें जो भविष्यमुखी हो।

इसके अलावा, कोई भी "मानव को ऊपर उठाने" की तुलना पृथ्वी पर एकएक करके वृक्षारोपन करने से कर सकता है। यदि कोई वृक्ष ठीक से जड़ पकड़ लेता है, तो वह फूलफल सकता है और अनिश्चित काल तक बढ़ सकता है, भले ही जिस व्यक्ति ने इसे लगाया है, वह अब न हो । इस तरह, मनुष्य के स्वतंत्र और विकसित होने के महत्व को "मानव को ऊपर उठाने" के कथन द्वारा व्यक्त किया जा सकता है।

परिवार वह संस्था है जहाँ बच्चों का चरित्र निर्माण होता है: माता-पिता के दृष्टिकोण का बच्चों पर निर्णायक प्रभाव पड़ता है

बचपन की शुरुआत से ही, बच्चों का परिवार के सदस्यों के सम्पर्क में पलना और जो उन्हें घर में सिखाया गया है, वह विशेष रूप से उनके वास्तविक लालन पालन में महत्वपूर्ण है।

यह कहा जाता है कि मानव मस्तिष्क में तीन वर्ष की आयु तक वयस्क के मस्तिष्क की क्रिया की 80 प्रतिशत क्षमता आ जाती है, और पाँच या छह वर्ष की आयु तक व्यक्तित्व निखर जाता है । स्मृति और चौकसता 12 या 13 वर्ष की आयु के आसपास पूर्णता ले लेती है, और लगभग 16 या 17 वर्ष की आयु में वह पूर्ण मानव हो जाता है।

परिवार वह संस्था है जहाँ बच्चों का चरित्र निर्मित होता है। हमारे सदस्यों पर भी यह लागू होता है, जब माता-पिता घर की वेदी के सामने बैठकर सुबह और शाम सूत्र का पाठ करके बुद्ध की पूजार्चना करते और धन्यवाद ज्ञापन करते हैं, इसका पालन करने वालों के बच्चों पर इसका निर्णायक प्रभाव पड़ता है । यदि बच्चों को उनके माता-पिता द्वारा प्रसन्नता, दयालुता और गर्मजोशी से भरा पूरा रखा गया है, तो कोई प्रश्न नहीं है कि उनका सम्पूर्ण चरित्र स्वाभाविक रूप से उत्तम रूप में निखर आयेगा।

दूसरी ओर, यह कहा जाता है कि जो बच्चे अपने माता-पिता के असंगत कार्यों और शब्दों को देखते और सुनते हैं, वे स्वाभाविक रूप से उनकी नकल करेंगे और उसको अपने रुख की तरह अपना लेंगे । इसके अलावा, यदि आप अपने बच्चों पर बलपूर्वक नियंत्रण करते हैं, भले ही ऐसा लगे कि वे आपके आज्ञाकारी हैं, परन्तु, शीघ्र ही उनमें विद्रोह की भावना पनपेगी और उनका मन आप से दूर खिंचा चला जाएगा ।

जब जमीन में एक टेढ़ा पोल गाड़ा जाता है, तो यह बिल्कुल संभव नहीं है कि उसकी छाया एक सीधी रेखा बनायेगी । यदि एक सीधा पोल जमीन में लगाया जाता है, तो, तार्किक रूप से, उसकी छाया भी सीधी होगी ।

हमारे बच्चों के शब्द और कार्य दर्पण की तरह उनके माता-पिता की सोच को दर्शाते हैं। हमारे समाज में किशोरों की विभिन्न समस्याएँ वयस्कों की दुनियाँ की विसंगतियों को दर्शाती हैं।

यह अनुभव करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अपने बच्चों से जो उम्मीद करते हैं, वह स्वयं माता-पिता से शुरू होता है।

मासाहिरो यासुओका (1898-1983), जिन्हें पूर्वी दर्शन के अधिकारी के रूप में जाना जाता है, ने अपनी एक पुस्तक में यह लिखा है: “पिता को बच्चे के लिए आदर्श होना चाहिए । माँ को बच्चे के लिए करुणा की गोद होना चाहिए । ऐसा इसलिए है, क्योंकि परिवार बच्चों के पोषण के लिए बीज की क्यारी की तरह है।”

इस तथ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि यदि धान के पौधे की बीज-क्यारी समरूप नहीं है, तो अगले ऋतु में संभवतः अच्छी फसल की उम्मीद नहीं की जा सकती है ।

बुद्ध की यही आशा है कि हममें से अधिकतर लोग बोधिसत्त्व मार्ग पर चलकर ही अपना जीवन यापन करेंगे

इसे ही मन में लेकर, मैंने आप सभी से बार-बार कहा है, “आइए हम बुद्ध तथा हमारे संस्थापक और सह-संस्थापक द्वारा दिखाए गए दूसरों के प्रति दयाभाव और उनका ध्यान रखते हुये बोधिसत्त्व मार्ग (मानवता के लिए सही रास्ते) पर चलें, और प्रसन्नता, दयालुता और गर्मजोशी जैसे अपने बुनियादी मानवीय गुणों को अभिव्यक्ति दें।”

जैसा कि हम पुण्डरीक सूत्र से जानते हैं, बुद्ध आशा करते हैं कि “बोधिसत्व मार्ग पर चलकर” ही, अधिकतर लोग अपना जीवन यापन करेंगे ।

बोधिसत्व वे लोग हैं जो बुद्ध की धर्मदेशना में पूर्ण श्रद्धाविश्वास रखते हैं और उसे अच्छी तरह से समझते हैं, और जो बुद्ध क्षेत्र में पहुँचने के लिए अभ्यासरत हैं। इसे दूसरी तरह से कहें तो बोधिसत्व ऐसे लोग हैं जो बुद्ध के स्वभाव को अपना स्वभाव बनाने का प्रयास करते हैं। हमें सिखाया गया है कि बोधिसत्व की जीवनशैली में दया गतिशीलता का बल है।

बोधिसत्व बनने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए, जो अन्य सभी से ऊपर अपरिहार्य है, वह धर्म का अध्ययन और अभ्यास है और वह बुद्ध के धर्मोपदेश के अनुरूप होना चाहिए, न कि अपने ढंग से सीख कर।

“अध्ययन और अभ्यास” के लिए प्रयुक्त दो चीनी कैरेक्टर में प्रथम कैरेक्टर दो तत्वों से बना है। पहले/ ऊपरी कैरेक्टर का अर्थ है “पख” और दूसरे/ निचले कैरेक्टर का अर्थ है “सफेद।” “सफेद” के लिये प्रयोग होने वाला तत्व पक्षी के शरीर का द्योतक है। जब चूज़ा पूरी तरह विकसित हो जाता है और घोंसले से उसके निकलने का समय होता है, वह अपने माता-पिता की नकल करते हुये बार-बार अपने पंखों को खोलता और फड़फड़ाता है। तो, यह चीनी कैरेक्टर एक चूज़े का प्रतीक है जो उड़ान की तैयारी में अभ्यास कर रहा है।

जैसे चूज़ा घोंसले को छोड़ने की उम्मीद करता है, बुद्ध की धर्मदेशना को सही ढंग से समझकर, अपने दैनिक जीवन के

New Year's Message 2019

प्रकाश में उस पर विचार करना, और लगातार उसे दोहराना - धीरे-धीरे बुद्ध स्वभाव के करीब पहुँचने का यही माध्यम है।

अभिभावक पक्षी की तरह, संघ, सदस्यों की दैनिक प्रगति पर नजर रखता है। एक ही धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के बीच होने और धर्म का अभ्यास करते हुये, उनको प्रोत्साहित किया जाता है और सिखाया जाता है, जो वास्तव में आश्वस्त करता है और आभारी होने का अवसर देता है।

लेकिन हमारे नये सदस्यों में कुछ ऐसे हो सकते हैं जो यह सोचकर हिचकते हैं कि मैं उतना अच्छा आदमी नहीं हूँ, इसलिए यह संभव नहीं है कि मैं बोधिसत्त्व बन पाऊँगा।

कहने की आवश्यकता नहीं है कि सभी मनुष्यों में लोभ, क्रोध और अज्ञान जैसे दोष होते हैं। इन दोषों को आमतौर पर बुरा माना जाता है, और उन्हें ऐसी खामियाँ समझा जाता है जो किसी में नहीं होनी चाहिए । लेकिन वास्तव में, उन दोषों के परिणामस्वरूप होने वाली चिंता और पीड़ा ही है, जिनका हल निकालने के लिए हमारा मन आत्मज्ञान (सटोरि) की तलाश करता है।

दूसरे शब्दों में, स्वयं समझना तथा दूसरे लोगों को समझाने में उनकी मदद करना कि दोष और सटोरि एक ही है, यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु है।

साथ ही, हमें यह भी सिखाया जाता है कि प्रत्येक आदमी में वही दया है जो बुद्ध में है।

यदि आप किसी व्यक्ति को परेशानियों में देखते हैं और उसके दर्द को कम करने में सक्षम होते हैं, आप उससे जो खुशी का अनुभव करते हैं वह आपको किसी परेशानी से छुटकारा पाकर मिलनेवाली खुशी से बड़ी है। जब आप कचरा उठाते हैं, यद्यपि कोई भी आपको ऐसा करते हुए नहीं देख रहा है, यदि आप परोपकार के लिए कुछ धन इकट्ठा करते हैं या सार्वजनिक परिवहन में अपनी सीट दूसरे के लिए छोड़ देते हैं, आप वर्णनातीत तरोताजा अनुभव करेंगे । यह अपने आप में एक प्रमाण है कि आप बुद्ध के समान दयालु हृदय से संपन्न हैं।

सभी की निहित क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए, मैं आशा करता हूँ कि हम सभी बोधिसत्त्व के रूप में निरन्तर कदम आगे बढ़ायेंगे, और कार्य के विस्तार में, संभवत: जितना अधिक हो सकेगा, बोधिसत्त्वों की संख्या बढ़ाने में मदद देने का प्रयास करेंगे।

जापान में आगामी मई में क्राउन प्रिंस नारुहितो द्वारा शाही सिंहासन पर पदारोहण के साथ, अप्रैल के अंत में सम्राट आकीहितो के हेइसेइ युग का अंत हो जाएगा। युग के नाम "हेइसेइ" का स्रोत चीनी शास्त्रीय ग्रन्थ का एक वाक्यांश है, जिसका अर्थ है "एक शांतिपूर्ण अंतरंग ही एक शांतिपूर्ण बहिरंग बनाता है।" यह वाक्यांश इस विचार को व्यक्त करता है कि प्रजा और राष्ट्र दोनों में, यदि आंतरिक शांति है, तो वह बाहरी शान्ति का व्यक्त स्वरूप होगा।

यह महत्वपूर्ण है कि हम, जो हेइसेइ युग में रह चुके हैं, उस युग के नाम की भावना को दृढ़ता से हृदय में बैठा लाये हैं क्योंकि हम अपने दैनिक जीवन में इसका अधिकतम लाभ उठाते हैं।

संसार में मनुष्यों की वास्तविक समस्याओं का हल यह सोचकर नहीं किया जा सकता है कि कोई हमें बचाएगा जब हम ऐसा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जैसा कि बुद्ध ने पुण्डरीक सूत्र के धर्मोपदेश के समय पृथ्वी के विवर से बाहर निकल आये बोधिसत्वों को बताया (पुण्डरीक सूत्र का अध्याय 15 में) कि, इन समस्याओं का समाधान केवल बेनामी लोगों की भीड़ के कार्यों द्वारा होगा जो चिंता में और पीड़ा सहते हुए जीने के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं।

इसीलिए आप, स्वयं को कम आंके बिना, बुद्ध की धर्मदेशना पर विश्वास करें, उन्हें समझें, और कारुणिक मन से बोधिसत्व मार्ग पर चलें। अपने को परिश्रमी बनाना इसका उद्देश्य है, और यह पुण्डरीक सूत्र के मुख्य बिंदुओं में एक है।

यह मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने मन की गहराई में इसे बैठा लें, और इस वर्ष एक बार फिर हम हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ेंगे।

(कोसेइ शिंबुन, 6 जनवरी, 2019)

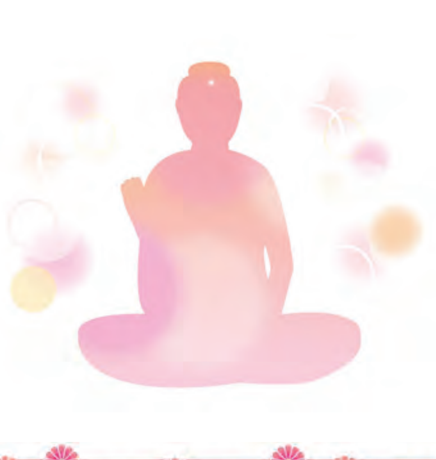

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movememt

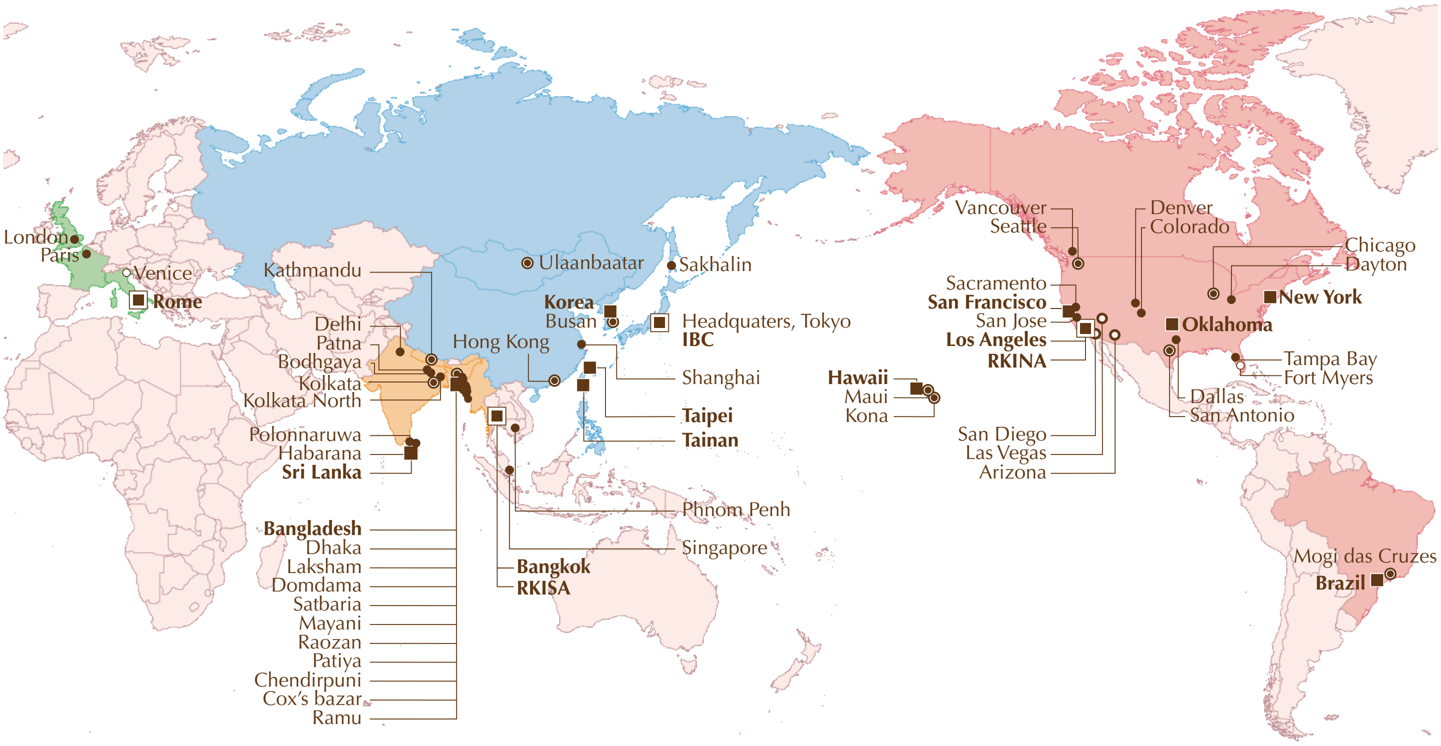

Rissho Kosei-kai International
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)
2707 East First Street, Suite #1, Los Angeles, CA 90033, U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 *Fax:* 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003 U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 *Fax:* 1-253-945-0261
e-mail: rkseattlewashington@gmail.com
http://buddhistlearningcenter.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
P.O. Box 692148, San Antonio, TX78269, U.S.A
Tel: 1-210-561-7991 *Fax:* 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Road, Clearwater, FL 33764, U.S.A.
Tel: (727) 560-2927 *e-mail:* rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii
2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 *Fax:* 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 *Fax:* 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740 U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 *Fax:* 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 *Fax:* 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco
1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 *Fax:* 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento
Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York
320 East 39th Street, New York, NY 10016 U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 *Fax:* 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056 U.S.A.
Tel : 1-773-842-5654 *e-mail:* murakami4838@aol.com
http://rkchi.org/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma
2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112 U.S.A.
Tel: 1-405-943-5030 *Fax:* 1-405-943-5303
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver
1255 Galapago Street, #809 Denver, CO 80204 U.S.A.
Tel: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
425 Patterson Road, Dayton, OH 45419 U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Risho Kossei-kai do Brasil
Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060 Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377 *Fax:* 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000 Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei
4F, No. 10 Hengyang Road, Jhongjheng District,
Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 *Fax:* 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Tainan
No. 45, Chongming 23rd Street, East District,
Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 *Fax:* 886-6-289-1488

Korean Rissho Kosei-kai
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420,
Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 *Fax:* 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 *Fax:* 82-51-643-5572

International Buddhist Congregation (IBC)
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong, Republic of China

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
Tel: 976-70006960 *e-mail:* rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Rissho Kosei-kai of South Asia Division
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division

Rissho Kosei-kai of Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya
Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur, Kathmandu,
Nepal

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Rissho Kosei-kai of Patna
Rissho Kosei-kai of Singapore

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka
House#408/8, Road#7(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel & Fax: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani
Mayani(Barua Para), Post Office: Abutorab, Police Station:
Mirshari, District: Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya
Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama
Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar
Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria
Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham
Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan
West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni
Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu

Rissho Kosei Dhamma Foundation, Sri Lanka
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
Tel: 94-11-2982406 *Fax:* 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Habarana
151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Branches under the Headquarters
Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax: 39-06-48913949 *e-mail:* roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK
Rissho Kosei-kai of Venezia
Rissho Kosei-kai of Paris